प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 4 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

बातचीत का भी एक विशेष प्रकार का आनंद होता है। जिनको इस आनंद को भोगने की आदत पड़ जाती है वे इसके लिए अपना खाना–पीना तक छोड़ देते हैं, अपना और नुकसान कर लेते हैं, लेकिन बातचीत से प्राप्त आनंद को नहीं खोना चाहते। जिनके केवल पत्र–व्यवहार है, कभी एक बार भी साक्षात्कार नहीं हुआ, उन्हें अपने प्रेमी से बात करने की अत्यधिक लालसा रहती है। अपने मन के भावों को दूसरों के सम्मुख प्रकट करने की और दूसरों के अभिप्राय को स्वयं ग्रहण करने का एकमात्र साधन शब्द ही है।

बेन जानसन का यह कथन उचित प्रतीत होता है कि, बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है, बातचीत की सीमा दो से लेकर वहाँ तक रखी जा सकती है जितनों की जमात, मीटिंग या सभा न समझ ली जाए। एडिसन का मत है कि असल बातचीत सिर्फ दो में हो सकती है। जब तीन हुए तब वह दो की बात कोसों दूर चली जाती है। चार से अधिक की बातचीत केवल राम–रमौवल कहलाती है इसलिए जब दो आदमी परस्पर बैठे बातें कर रहे हों यदि तीसरा वहाँ आ जाए तो वे दोनों निरस्त बैठ जाते हैं या फिर तीसरे को निपट मूर्ख और अज्ञानी समझ बतियाने लगते हैं।

इस बातचीत के अनेक भेद हैं। दो बुड्ढों की बातचीत प्रायः जमाने की शिकायत पर हुआ करती है। नौजवानों की बातचीत का विषय जोश, उत्साह, नई उमंग, नया हौसला आदि होता है। पढ़े–लिखे लोगों की बातचीत का विषय प्रसिद्ध विद्वान, विचारक और उनके विचार होते हैं। खिलाड़ियों की बातचीत का विषय खेल चर्चा तथा अधेड़ आयु की स्त्रियों का मुख्य विषय अपनी बहू–बेटी का गिला–शिकवा या आस–पड़ोस की चर्चा होती है। स्कूल के लड़कों की बातचीत का उद्देश्य अपने गुरुजनों की प्रशंसा या निंदा अथवा अपने सहपाठियों के गुण–दोषों आदि का वर्णन करना होता है।

यूरोप के लोग बात करने की कला, **आर्ट ऑफ कन्वरसेशन** में इतने निपुण हैं कि उनकी बात का मुकाबला स्पीच और लेख दोनों नहीं कर पाते। विद्वानों की मंडली में ऐसे चतुराई से प्रसंग छेड़े जाते हैं जिन्हें सुनकर कानों को अद्भुत सुख मिलता है। सहृदय गोष्ठी इसी का नाम है। पच्चीस वर्ष से ऊपर वालों की बातचीत सारगर्भित तथा दूरदर्शितापूर्ण होती है और पच्चीस से नीचे वालों की बातचीत में ऐसा कुछ तो नहीं होता लेकिन उसमें एक प्रकार का मनोरंजन तथा ताजगी रहती है कि उनकी बातचीत में मिठास कई गुणा बढ़ जाती है।

1. बातचीत का आनंद भोगने वालों की दशा कैसी होती है? 2

उत्तर : बातचीत का आनंद भोगने वालों की दशा कुछ ऐसी हो जाती है कि वे बातचीत का आनंद भोगने के लिए खाना–पीना छोड़ देते हैं और इस तरह अपना ही नुकसान कर लेते हैं। वे इसके बावजूद बातचीत के आनंद को खोना नहीं चाहते। उनको बातचीत के आनंद को खोजने की आदत–सी पड़ जाती है।

2. बातचीत के प्रति एडिसन का क्या मत है? 2

उत्तर : बातचीत के प्रति एडिसन का मत है कि असल बातचीत सिर्फ दो के बीच हो सकती है। तीन होने पर दो की बात कोसों दूर चली जाती है। इससे अधिक की बातचीत केवल राम–रमौवल है। जब दो आदमी परस्पर बैठे बातें कर रहे हों और तीसरा वहाँ आ जाए तो वे दोनों निरस्त बैठ जाते हैं या फिर तीसरे को निपट मूर्ख समझकर बतियाने लगते हैं।

3. स्कूल के लड़कों की बातचीत का क्या उद्देश्य होता है? 2

उत्तर : स्कूल के लड़कों की बातचीत का उद्देश्य अपने गुरूजनों की प्रशंसा या निंदा अथवा अपने सहपाठियों के गुण–दोषों का वर्णन होता है।

4. पच्चीस वर्ष से ऊपर वालों की बातचीत कैसी होती है? 2
उत्तर : पच्चीस वर्ष से ऊपर वालों की बातचीत सारगर्भित तथा दूरदर्शितापूर्ण होती है।
5. नौजवानों की बातचीत का विषय क्या होता है? 1
उत्तर : नौजवानों की बातचीत का विषय जोश, उत्साह, नई उमंग, नया हौसला होता है।
6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए? 1
उत्तर : बातचीत।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. पद किसे कहते हैं? 1
उत्तर : वाक्य में प्रयुक्त शब्द पद कहलाते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. हमारे घर से बाहर निकलते ही बारिश होने लगी। (मिश्र वाक्य में)
उत्तर : जैसे ही हम घर से बाहर निकले, बारिश होने लगी।
2. रवि बाल कटवाकर संतुष्ट नहीं था। (संयुक्त वाक्य में)
उत्तर : रवि ने बाल कटवाये परन्तु वह संतुष्ट नहीं था।
3. जो व्यक्ति मेहनती है, उसके लिए सबकुछ संभव है। (सरल वाक्य में)
उत्तर : मेहनती व्यक्ति के लिए सब कुछ संभव है।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
नीलकमल, पंचानन।
उत्तर : नीलकमल – नीला है जो कमल (कर्मधारय समास)
पंचानन– पांच है आनन जिसके अर्थात् शिव (बहुब्रीहि समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
नीला है कंठ जिसका (शिव), वज्र के समान देह
उत्तर : नीला है कंठ जिसका – नीलकंठ (बहुब्रीहि समास)
वज्र के समान देह– वज्रदेह (कर्मधारय समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. हमने रास्ते में एक हाथी देखे।
उत्तर : हमने रास्ते में एक हाथी देखा।
2. आप ठीक बोलते हैं।
उत्तर : आप ठीक कहते हैं।
3. उसका घर में चोरी हो गया।
उत्तर : उसके घर में चोरी हो गई।
4. वह पागल आदमी हो गया।
उत्तर : वह आदमी पागल हो गया।

6. निम्नलिखित वाक्यों में निहित भाव के अनुसार उपयुक्त मुहावरे लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. आज हमने नया कार्य आरंभ कर दिया हैं।
उत्तर : श्री गणेश करना
2. आजकल विद्यार्थियों को दिन–रात काम में जुटे रहना पड़ता है।
उत्तर : कोल्हू का बैल होना
3. शरारती बच्चों ने पड़ोसियों को बहुत परेशान कर रखा है।
उत्तर : नाक में दम करना।
4. बच्चों की करतूतों से माँ–बाप की आँखें नीची हो गईं।
उत्तर : आँखें नीची होना।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. पाठ के आधार पर बताइए कि सोलोमन केवल मानव–जाति के ही राजा नहीं थे, बल्कि सभी छोटे–बड़े पशु–पक्षियों के भी हाकिम थे।
उत्तर : एक बार सोलोमन अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुजर रहे थे। रास्ते में कुछ चींटियों ने घोड़ों के टापों की आवाज सुनी तो डरकर एक–दूसरे से कहा कि सभी को अपने प्राणों की रक्षा करने के लिए अपने बिलों में चले जाना चाहिए, नहीं तो वे आती हुई फौज के पैरों तले रौंदी जाएँगी। सोलोमन ने उनकी बात सुन ली और उन्हें पहले जाने दिया। चींटियों ने उसके लिए खुदा से दुआ की।
2. जापानी मनोरूग्ण क्यों हैं? मानसिक तनाव दूर करने के लिए वे क्या उपाय करते हैं?
उत्तर : अमेरिका से प्रतिस्पर्धा के कारण अधिकांश जापानी मनोरोगी बन गए हैं। उनमें क्षमता से कई गुना ज्यादा काम कम से कम समय में पूरा करने की होड़ लगी हुई है। इसी कारण वे अकेलेपन, तनाव, कुंठा, बड़बड़ाने की आदत आदि मानसिक विक्षिप्तता की अवस्थाओं में पहुँच रहे हैं। इस तनाव व भागदौड़ को कम करने के लिए उन्होंने दिमाग की रफ्तार को धीरे धीरे कम करने के लिए चाय पीने की विधि **टी सेरेमनी** का प्रयोग करना सीखा।
3. लेखक अपने बनाए टाइम टेबल पर अमल क्यों नहीं कर पाता था? **बड़े भाई साहब** पाठ के आधार पर बताइए।
उत्तर : लेखक को जब बड़े भाई की डाँट पड़ती तो ग्लानि की मनोदशा में वह झटपट एक टाइम टेबल बना लेता था परन्तु वह उस पर अमल नहीं कर पाता था क्योंकि उसमें खेल–कूद का समय बिल्कुल नहीं था।
4. वामीरो से मिलने के बाद ततॉंरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर : उसके मन में हर समय वामीरो की तस्वीर घूमती रहती और जुबान पर केवल वामीरो का नाम रहता। वामीरो के बिना उसके लिए रात और दिन काटना कठिन हो गया। उसे एक-एक पल पहाड़ से भी अधिक भारी प्रतीत होने लगा। वह शाम होने से पहले ही लपाती की उस समुद्री चट्टान पर जा बैठता, जहाँ वह वामीरो के आने की प्रतीक्षा किया करता था।

8. वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था? 80-100 शब्दों में उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए। 5

उत्तर : निःसंदेह वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था। वह अंग्रेजों को खूब छका रहा था। वकील की हत्या कर फरार था। वह अपनी जान की बाजी लगाकर अंग्रेजों के कैंप (आजमगढ़ के जंगल) में कर्नल से मिलने आया। इतने फौजियों के होते हुए भी कर्नल के टेंट में आया। एकांत में कर्नल से मिला। कर्नल से दस कारतूस भी लिए और जाते समय यह भी बताया कि मैं वजीर अली हूँ। उसकी निडरता और साहस को देखकर स्वयं कर्नल चकित हो गया और लेफ्टिनेंट के पूछने पर कि कौन था वह सवार, कर्नल ने कहा- एक जाँबाज सिपाही।

अथवा

वामीरो की प्रतीक्षा में बैठे तताँरा की प्रेम व्याकुलता 80-100 शब्दों में स्पष्ट करें।

उत्तर : तताँरा ने जब से वामीरो का गाना सुना था वह अपनी सुध-बुध खो बैठा और वामीरों के सामने आ गया। उससे उसका परिचय पूछा तथा रोज समुद्र तट पर आने का आग्रह किया। धीरे धीरे उसकी अधीरता बढ़ने लगी। उसे दिन-रात चैन नहीं था। वह वामीरों से मिलने का यत्न सोचता रहता। यही कारण है कि वामीरों से मिलने के लिए लपाती गाँव पहुँच गया। उसने वामीरों को पाने के लिए दुनियाभर से संघर्ष किया। इसलिए उसका मन गाँव के पशु-पर्व में भी नहीं लगा।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. बिहारी कवि ने **जगत तपोवन सो कियो,** ऐसा क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : **जगत तपोवन सो कियो** के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहता है कि विपत्ति या परेशानी की घड़ी में लोगों को आपसी बैर-भाव भुलाकर मिलजुलकर रहना चाहिए। तभी वे किसी भी संकट का सामना कर सकेंगे। उसी प्रकार जैसे जंगल के पशु गर्मी की मार झेलने के लिए शत्रुता भूलकर छाया वाले स्थान पर एक साथ बैठ जाते हैं। कवि ने कहा है कि वन के पशु आपसी बैर-भाव भुलाकर एक साथ पेड़ों की छाया में इस प्रकार बैठे हैं मानो संसार तपोवन बन गया हो।

2. **कर चले हम फिदा** कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत इस कविता में कवि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सैनिकों के हृदय के भाव व्यक्त करता है जिन्हें अपने किए पर नाज है। साथ ही वह देशवासियों को बलिदान की इस परंपरा को कायम रखने को प्रेरित करता है।

3. **पर्वत प्रदेश में पावस** के आधार पर लिखें कि प्रकृति पल पल अपना रूप किस प्रकार बदल रही है?

उत्तर : पर्वत प्रदेश वर्षा ऋतु का समय है इसलिए बादलों की उमड़-घुमड़ से प्रकृति प्रतिक्षण, पल-पल अपना रूप परिवर्तित कर रही है। कभी बादल घिर आने से अँधेरा हो जाता है, कभी बादलों के हटने से प्रदेश चमकने लगता है। कभी घनघोर वर्षा होने लगती है।

4. कबीर के अनुसार ईश्वर की प्राप्ति किस प्रकार की जा सकती है?

उत्तर : कबीर के अनुसार ईश्वर की प्राप्ति मन को एकाग्रचित्त करके आध्यात्मिक चिंतन द्वारा होती है। मन की विषय-वासनाओं को त्याग कर ही हम भक्ति के मार्ग पर बढ़ सकते हैं। ईश्वर का निवास हमारे मन में है। मनुष्य उसे मंदिर-मस्जिद, गुरुद्वारों में ढूँढ़ता फिरता है। जिस प्रकार मृग की नाभि में कस्तुरी नामक सुगंधित पदार्थ होता है लेकिन वह अज्ञान के कारण उसे दूर जंगलों में ढूँढ़ता फिरता रहता है। अतः हमें मन को एकाग्रचित्त करके ईश्वर को पाने का प्रयास करना चाहिए।

10. जीवन में विजय पाने का कवि ने कौनसा मार्ग सुझाया है? 80-100 शब्दों में आत्मत्राण कविता के आधार पर बताइए। 5

उत्तर : कवि चाहता है कि जीवन में विजय पाने के लिए सबसे पहले दुख पर विजय पाना चाहिए। अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए। इसका प्रयत्न करना चाहिए जिससे मन की शक्ति तथा पुरूषार्थ बना रहे। दुखों को सहन करना तथा उन पर नियंत्रण करने की हिम्मत तथा ताकत बनाए रखनी चाहिए। दुख की घड़ी में भी भयभीत न होकर निर्भय होकर आगे बढ़ें। यदि कोई सहायक न हो तो अपने बल और पौरूष के सहारे विजयी होने का प्रयास करें। ईश्वरीय शक्ति पर भरोसा करना चाहिए और उनसे प्रार्थना करनी चाहिए कि वे दुख की घड़ी में हमारे आत्मविश्वास को गिरने न दे।

अथवा

कबीर की साखियों की भाषा शैली पर 80-100 शब्दों में प्रकाश डालिए।

उत्तर : कबीरदास जी ने अपनी साखियों में किसी विशिष्ट भाषा का प्रयोग न करते हुए बोल-चाल की भाषा का प्रयोग किया है जिसे सधुक्कड़ी भाषा कहते हैं। वास्तव में कबीरदास का उद्देश्य अपने कवित्व के माध्यम से पांडित्य का प्रदर्शन करना नहीं रहा है। इसलिए उनकी साखियों में ऐसे शब्द आए हैं जिनसे जनसमुदाय परिचित है। उदाहरणार्थ वे मरा की जगह मुआ, प्रिय की जगह पीव, जीना की जगह जिवै जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं। वे संस्कृत के दुरूह तत्सम शब्दों के प्रचलित अपभ्रंश का प्रयोग करते हुए जनसामान्य तक अपनी बात पहुँचाते हैं। स्वयं साखी शब्द तत्सम शब्द **साक्षी** का बिगड़ा

हुआ रूप है। इस प्रकार कबीर की भाषा शैली सहज, सरल, प्रतीकात्मक एवं भावाभिव्यक्ति में सक्षम है।

11.

1. लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए क्या क्या योजनाएँ बनाया करता था? 60-70 शब्दों में बताइये। 3

   उत्तर : लेखक के स्कूल के मास्टरों द्वारा छुट्टियों में करने के लिए काफी काम दिया जाता था। हिसाब से कम से कम दो सौ सवाल दिए जाते थे। इस कार्य को पूरा करने के लिए लेखक विभिन्न योजनाएँ बनाया करते थे। लेखक मन में हिसाब लगाते कि यदि दस सवाल रोज निकाले जाएँ तो बीस दिन में ही पूरे हो जाएँगे। जब वे ऐसा सोचना शुरू करते तब तक छुट्टियों का एक महीना शेष रह जाता। एक-एक दिन गिनते दस दिन खेल-कूद में और बीत जाते। तब स्कूल की पिटाई का डर बढ़ने लगता। पर जब लेखक सोचते कि दस की क्या बात सवाल तो पन्द्रह भी आसानी से रोज निकाले जा सकते हैं। जब ऐसा हिसाब लगाने लगते तो छुट्टियां कम होते होते जैसे भागने लगतीं। दिन छोटे लगने लगते। स्कूल का भय बढ़ने लगता। काम अधूरा रह जाता।

2. टोपी, इफ्फन की दादी से अपनी दादी क्यों बदलना चाहता था? 60-70 शब्दों में बताइये। 3

   उत्तर : टोपी ने इफ्फन से दादी बदलने की बात इसलिए कही क्योंकि उसे इफ्फन की दादी बहुत अच्छी लगती थीं। टोपी जब भी इफ्फन के घर जाता था तो वह उसकी दादी के पास बैठने की कोशिश करता था। टोपी को अपनी दादी अच्छी नहीं लगती थी क्योंकि उसकी स्वयं की दादी बहुत अनुशासनप्रिय थी। वह टोपी को कहानियाँ भी नहीं सुनाया करती थीं। टोपी को उनकी भाषा भी समझ में नहीं आती थी। इसलिए उसने दादी बदलने की बात कही।

खण्ड-घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **स्वावलंबन।**

   * स्वावलंबन का अर्थ * आत्मविश्वास की सीढ़ी * स्वावलम्बी समाज राष्ट्र का हितैषी

2. **जैसी संगति बैठिए तैसोई फल दीन।**

   * सत्संगति का प्रभाव * कुसंगति से हानि * चरित्र का परिचायक * प्रभावशाली व्यक्तित्व

3. **बेरोजगारी : समस्या एवं समाधान।**

   * बेरोजगारी से उत्पन्न समस्याएँ * बेरोजगारी के कारण * समाधान हेतु सुझाव

   उत्तर :

1. स्वावलंबन

स्वावलंबन का अर्थ है- अपने पैरों पर खड़ा होना अर्थात् आत्मनिर्भर होना। इसका हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। इसके द्वारा ही हमारी आर्थिक, मानसिक और शारीरिक उन्नति हो सकती है। स्वावलंबन की भावना हमें छोटे-छोटे पशुओं और पक्षियों से मिलती है। वे जन्म लेने के उपरांत ही आत्मनिर्भर होने की कोशिश करने लगते हैं। बनैले पशु तो बेचारे थोड़े दिनों बाद ही अपने आहार के लिए फिरने लगते हैं। वे पालतू पशुओं के समान किसी पर अवलम्बित नहीं रहते हैं। स्वावलंबन द्वारा ही मानव-हृदय में आत्मविश्वास की भावना उत्पन्न होती है। इससे हमारा उत्साह बढ़ जाता है और अपने कर्तव्य-पथ पर दृढ़ता के साथ चले जाते हैं। स्वावलम्बी मनुष्य ही देश और समाज का कल्याण कर सकता है। इसी ने विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में राजनीतिज्ञों, वैज्ञानिकों, समाज सुधारकों और विद्वानों को जन्म दिया है। इसी के द्वारा विश्व प्रगतिशील बन सका है और उसमें बंधुत्व की भावना फैल सकी है। आज विदेशी राष्ट्र इसी के द्वारा उन्नति के शिखर पर पहुँच चुके हैं। इसकी गौरवपूर्ण अमर-कथाओं से विश्व के इतिहास के पन्ने चमक रहे हैं। अतः कह सकते हैं कि स्वावलंबी के सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। वह सुयश का भागी बनता है। इसलिए हमें स्वावलंबी बनना चाहिए।

2. जैसी संगति बैठिए तैसोई फल दीन

संगति का जीवन में बड़ा महत्व है। मनुष्य जैसी संगति करता है उससे वह अवश्य प्रभावित होता है। स्वाति की एक बूँद भिन्न-भिन्न संगति पाकर उसके अनुरूप परिवर्तित हो जाती है। केले का संपर्क प्राप्त कर वह कपूर, सीपी की संगति प्राप्त कर वह मोती तथा साँप के मुँह में पड़कर वह विष बन जाती है। बुद्धिमानों की संगति करने पर मनुष्य बुद्धिमान हो जाता है। मनुष्य यदि ऐसे व्यक्ति के साथ रहता है जो लँगड़ाता है तो वह स्वयं भी लँगड़ाना सीख जाएगा। एक जर्मन लोकोक्ति है कि जब फाख्ता का कौओं से संयोग होता है तो उसके पर श्वेत रह जाते हैं, किंतु हृदय काला हो जाता है। काजल की कोठरी में जाकर मनुष्य उससे अछूता नहीं रह सकता। मनुष्य की संगति से उसके चरित्र का परिचय मिलता है। कुसंगति जहाँ मनुष्य को तपन की ओर ले जाती है, सत्संगति बुद्धि की जड़ता नष्ट करती है, वाणी को सत्य से सींचती है, मान बढ़ाती है, पाप मिटाती है तथा चित्त को प्रसन्नता प्रदान करती है। इससे हमारा व्यक्तित्व प्रभावशाली बनता है।

3. बेरोजगारी : समस्या एवं समाधान

सक्षम व्यक्तियों को जब अर्थोपार्जन के लिए कार्य नहीं मिलता, तब बेरोजगारी की समस्या समाज के लिए एक गंभीर बीमारी का रूप ले लेती है। बेरोजगारी प्रत्यक्ष हो अथवा अप्रत्यक्ष, वह समाज में कई समस्याओं को जन्म देती है। भारत में आबादी का तीव्रता से बढ़ना और उस अनुपात में रोजगार का उपलब्ध न हो पाना प्राकृतिक संसाधनों का सीमित होना, सरकारी नीतियों में त्रुटियाँ

होना, कुटीर उद्योगों एवं कृषि कर्म के प्रति अरूचि होना आदि कई कारणों से बेरोजगारी की दर भी बढ़ी है। परम्परागत कृषि कर्म अथवा घरेलू उद्योगों को छोड़कर युवक शहरों की ओर नौकरी के लिए पलायन तो कर रहे हैं, पर नौकरी न मिलने पर गलत कार्य में लग जाते हैं। फलतः भ्रष्टाचार जैसी समस्या से समाज का रूप विकृत होने लगता है। चोरी, लूटमार, छीना झपटी आदि अनैतिक कार्यों में लिप्त होने से उद्योग धंधों में अराजकता बढ़ जाती है। इस विकराल समस्या के समाधान के लिए जनसंख्या नियंत्रण, छोटे-छोटे उद्योग-धंधों का विकास, परम्परागत उद्योग-धंधों का संरक्षण, ग्रामों में सुख-सुविधाओं का विकास, व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। रोजगार के सरकारी अवसर प्रदान करके बढ़ती बेरोजगारी को रोका जा सकता है।

13. आपके विद्यालय के प्रधानाचार्य से खेलों का और अधिक सामान मँगाने के लिए निवेदन करते हुए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए। आप अपने आपको खेल-परिषद की सेक्रेटरी के रूप में प्रस्तुत कीजिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
प्रधानाचार्य
कॅरियर पॉइन्ट विद्यालय
नई दिल्ली।
दिनांक : 08 जुलाई, 2017
विषय : खेलों का सामान मँगाने हेतु आवेदन पत्र।
महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं विद्यालय की खेल परिषद की सेक्रेटरी, कक्षा दसवीं की छात्रा हूँ। मैं आपका ध्यान खेलों के सामान की आपूर्ति की ओर दिलाना चाहती हूँ। विद्यालय में खेलों के सामान की अभी तक अपेक्षित आपूर्ति नहीं हो पाई है जिससे हम लोग इच्छित खेल नहीं खेल पाते हैं। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष भी समय पर सामान न मिल पाने के कारण हम समुचित अभ्यास नहीं कर पाते थे, जिससे हमारे विद्यालय की टीम पदक नहीं जीत सकी।

अतः आपसे निवेदन है कि इस वर्ष जल्द से जल्द सामान मँगवा दें ताकि हम अधिक से अधिक अभ्यास कर सकें।
खेल सामग्री की सूची-
1. टेनिस बॉल - 05 पीस
2. टेनिस रैकेट - 04 पीस
3. हॉकी स्टिक - 12 पीस
4. हॉकी की गेंद एवं नेट - (उसी अनुसार)

सधन्यवाद
आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या,
सीमा शर्मा
विद्यालय खेल परिषद की सेक्रेटरी
कक्षा- दसवीं।

अथवा

अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय खोलने की प्रार्थना करते हुए शिक्षा विभाग के सचिव को एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 25, अगस्त, 2018

सेवा में,
सचिव महोदय,
शिक्षा विभाग,
दिल्ली।
विषय : अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय खुलवाने के लिए अनुरोध।
महोदय,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान पूर्वी दिल्ली के **वसुंधरा एन्क्लेव** क्षेत्र की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, जहाँ कई अच्छे विद्यालय हैं और उनके अपने पुस्तकालय हैं। किन्तु हमारे इस क्षेत्र में दुर्भाग्य से एक भी सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय नहीं है। विद्यालय की छुट्टी हो जाने के बाद शाम को अगर हमें कोई संदर्भ ग्रंथ देखने की आवश्यकता होती है तो सर्वथा निराश होना पड़ता है।
अतः शिक्षा के क्षेत्र में अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए एवं उसमें उन्नति प्राप्त करने के लिए हमारे यहाँ एक सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय का होना अत्यंत आवश्यक है।

आपसे निवेदन है कि हमारी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आप हमारे क्षेत्र **वसुंधरा एन्क्लेव** में एक सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय खुलवाने का प्रबंध करें।
धन्यवाद
भवदीय
सुरेश

14. आपके विद्यालय में एक विद्यार्थी को एक पर्स मिला है जिसमें रुपये, चाबी आदि हैं। इसकी सूचना देने के लिए अनुशासन अधिकारी की ओर से सूचना-पट पर लिखने के लिए 40-50 शब्दों में सूचना का प्रारूप लिखिए। 5

उत्तर :

ए.जी.बी. विद्यालय, रतनपुर

सूचना

दिनांक : 24 नवम्बर, 2018
विषय : पर्स मिला है।
विद्यालय परिसर में एक पर्स मिला है। इसमें कुछ रुपये एवं अन्य सामान है, जिसका भी हो आवश्यक प्रमाण देकर अनुशासन अधिकारी कार्यालय से प्राप्त कर लें।

हस्ताक्षर
महेश सैनी
अनुशासन अधिकारी

अथवा

प्रधानाचार्य हैप्पी पब्लिक स्कूल, दरियागंज की ओर से गरीब व अनाथ बच्चों के दाखिले की सूचना 40–50 शब्दों में पर्याप्त जानकारी (उम्र, सुविधाएँ आदि) सहित दीजिए।

उत्तर :

हैप्पी पब्लिक स्कूल, दरियागंज

सूचना

हैप्पी पब्लिक स्कूल में गरीब व अनाथ बच्चों के लिए जिनकी उम्र 8 से 12 वर्ष है, दाखिले खुले हैं। सभी प्रकार की सुविधाओं; जैसे पढ़ना, खाना, रहना, चिकित्सा आदि के व्यय का वहन संस्था द्वारा किया जाएगा। विस्तृत जानकारी के लिए हस्ताक्षरकर्ता से सपंर्क कीजिए।

हस्ताक्षर
प्रधानाचार्य

15. नारी सुरक्षा और वर्तमान युग विषय पर नारी सुरक्षा समिति के दो कार्यकर्ताओं के बीच संवाद लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

प्रथम कार्यकर्ता : वर्तमान युग में नारी सुरक्षा को लेकर बातें तो बड़ी–बड़ी की जाती हैं परन्तु जमीनी हकीकत कुछ और ही है। समाज और सरकार दोनों इस ओर से लापरवाह हैं।

द्वितीय कार्यकर्ता : तुम ठीक कह रही हो, महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों का बढ़ता हुआ ग्राफ नारी सुरक्षा को लेकर होने वाले दावों की पोल खोल रहा है।

प्रथम कार्यकर्ता : वर्तमान युग में जहाँ एक तरफ नारियों को पुरूषों के समकक्ष माना जाता है और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता को लेकर बढ़ चढ़कर बातें कही जाती हैं, वहीं कार्यस्थल पर उनके साथ होने वाले भेदभाव भी जारी हैं।

द्वितीय कार्यकर्ता : वर्तमान युग में इस विडम्बना को समाप्त करना हम सबका फर्ज है।

अथवा

माँ और बेटी में बातचीत हो रही है। बातचीत का आधार रटंत विद्या को न अपनाकर समझने पर बल देना है। इनके बीच लगभग 50–60 शब्दों में संवाद लिखिए।

उत्तर :

माँ : अरे नन्ही! क्या कर रही हो।

नन्ही : माँ! कल हिंदी की कक्षा परीक्षा है। उसे ही रट रही हूँ।

माँ : परन्तु बेटी रटकर तैयारी करने से क्या लाभ? विषय को अच्छी तरह पढ़ो और समझो, फिर उसके बाद अभ्यास करो।

नन्ही : माँ! इसमें तो अधिक समय लग जाएगा।

माँ : और रटकर की गई तैयारी में तुम कुछ भी भूल गई तो फिर क्या करोगी? ये मेहनत भी बेकार जाएगी न?

नन्ही : हाँ माँ! मेरी सखी रेखा के साथ भी ऐसा ही हुआ था। वह विज्ञान के पाठ के पीछे दिए सभी प्रश्न रटकर गई परन्तु अध्यापिका जी ने पाठ के बीच से ही प्रश्न पूछे। एक भी जवाब न दे पाई बेचारी।

माँ : इसीलिए कहती हूँ बेटी रटंत विद्या पर बल न देकर विषय को गहराई से समझो।

नन्ही : आप ठीक कहती हैं माँ! मैं आपकी आज्ञा का पालन करूँगी।

16. किसी हर्बल क्रीम के बारे में एक आकर्षक विज्ञापन 25–50 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। 5

उत्तर :

क्या आप त्वचा के दाग-धब्बों और कील, मुँहासों से परेशान हो चुके हैं? तो इस्तेमाल कीजिए-

ब्यूटी हर्बल क्रीम

दाग-धब्बे मिटाए,
त्वचा दमक-दमक जाए।

असर पहले हफ्ते के अंदर

सभी प्रमुख मेडिकल स्टोर्स तथा कॉस्मेटिक्स की दुकानों पर उपलब्ध

अथवा

अपने विद्यालय की संस्था **पहरेदार** की ओर से जल का दुरुपयोग रोकने का आग्रह करते हुए लगभग 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए।

उत्तर :

पहरेदार संस्था आगरा

विद्यालय में पहरेदार संस्था की ओर से शीतल पेय की उचित व्यवस्था की गई है। सभी विद्यार्थियों से आग्रह किया जाता है कि पानी की बर्बादी न करें। न ही कोई छात्र-छात्रा मुँह-हाथ धोए। ऐसा करने से अन्य छात्रों को पानी मिलने में परेशानी होगी तथा जल का दुरुपयोग होने में अपना सहयोग प्रदान करें।

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online